रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 9 मई, 2026

वर्ष 02 | अंक 115 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सिंहासा में शासकीय तालाब पर कब्जे का खेल

जिम्मेदारों की चुप्पी से जल संकट की ओर बढ़ता गांव

आदित्य शर्मा

इंदौर। ग्राम सिंहासा में शासकीय तालाब भूमि पर हो रहे अतिक्रमण ने पूरे प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खसरा क्रमांक 136, जो राजस्व रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से शासकीय तालाब भूमि के रूप में दर्ज है, आज धीरे-धीरे अवैध कब्जों की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है।

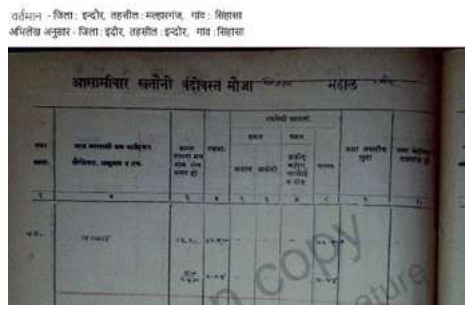

हैरानी की बात यह है कि

इस पूरे मामले में न पंचायत स्तर पर कोई गंभीरता दिखाई दे रही है और न ही प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई की जा रही है। एक समय जिस तालाब से गांव के जल स्तर को सहारा मिलता था, वही तालाब आज उपेक्षा और अवैध कब्जों के कारण अपना अस्तित्व खोने की कगार पर पहुंच चुका है।

क्षेत्र में पहले से पानी की कमी बनी हुई है, गर्मियों में लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद तालाब संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि मौन बैठे हुए हैं। सरकार करोड़ों रुपए जल संरक्षण योजनाओं, अमृत सरोवर अभियान और तालाब पुनर्जीवन के नाम पर खर्च कर रही है, लेकिन जमीन पर स्थिति बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। सिंहासा में शासकीय तालाब की भूमि पर लगातार कब्जे बढ़ते जा रहे हैं और जिम्मेदार विभाग केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नजर आ रहे हैं। सवाल यह उठता है कि जब राजस्व रिकॉर्ड में भूमि स्पष्ट रूप से तालाब के नाम दर्ज है, तो आखिर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही?

तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं होता, बल्कि पूरे पर्यावरण और भूजल स्तर का आधार होता है

तालाबों के समाप्त होने से वर्षा जल संग्रहण प्रभावित होता है, भूजल स्तर लगातार नीचे जाता है और आने वाले समय में जल संकट विकराल रूप ले लेता है। सिंहासा में भी यही स्थिति बनती दिखाई दे रही है। यदि समय रहते तालाब को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया तो आने वाले वर्षों में क्षेत्र गंभीर जल संकट की चपेट में आ सकता है। सबसे बड़ा सवाल पंचायत व्यवस्था पर भी खड़ा हो रहा है। गांव की सार्वजनिक और शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी पंचायत और प्रशासन दोनों की होती है, लेकिन यहां सरपंच-सचिव की निष्क्रियता खुलकर सामने आ रही है। गांव में तालाब की जमीन सिकुड़ती जा रही है, लेकिन जिम्मेदारों द्वारा न सीमांकन कराया जा रहा है और न ही किसी प्रकार की कठोर कार्रवाई दिखाई दे रही है।

लोगों में यह चर्चा भी तेज हो रही है कि आखिर किसके संरक्षण में शासकीय तालाब भूमि पर कब्जे का यह खेल चल रहा है

यदि प्रशासन चाहे तो राजस्व विभाग, पंचायत विभाग और संबंधित अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई से कुछ ही दिनों में तालाब भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सकता है, लेकिन अब तक केवल चुप्पी ही दिखाई दे रही है। जानकारों का मानना है कि यदि गांवों के तालाब इसी तरह खत्म होते रहे तो भविष्य में जल संरक्षण के सारे दावे खोखले साबित होंगे। एक ओर सरकार जल बचाने के संदेश दे रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर शासकीय जल स्रोतों को बचाने में जिम्मेदार विभाग पूरी तरह विफल नजर आ रहे हैं। अब मांग उठ रही है कि खसरा क्रमांक 136 का तत्काल सीमांकन कराया जाए और मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 248 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई करते हुए शासकीय तालाब भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। साथ ही तालाब को उसके मूल स्वरूप में बहाल कर जल संरक्षण के लिए स्थायी कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में सिंहासा को भीषण जल संकट से बचाया जा सके।

ईरान से युद्ध के बीच डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका

अमेरिकी कोर्ट ने 10 फीसदी टैरिफ पर सुनाया फैसला

ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापारिक नीतियों को गुरुवार को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है अमेरिकी व्यापार अदालत (US Trade Court) ने राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए ताजा 10% ग्लोबल टैरिफ के खिलाफ फैसला सुनाते हुए इसे अवैध करार दिया है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि 1970 के दशक के व्यापार कानून के तहत इन व्यापक टैक्स को उचित नहीं ठहराया जा सकता पिछले महीने, अदालत ने 24 राज्यों और कई छोटे व्यवसायों द्वारा दायर मुकदमों पर दलीलें सुनी थीं. इन राज्यों में से अधिकांश का नेतृत्व डेमोक्रेट्स कर रहे थे. उन्होंने 24 फरवरी से लागू हुए इन टैक्स को अदालत में चुनौती दी थी. राज्यों का तर्क था कि राष्ट्रपति का यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उस बड़े फैसले को दरकिनार करने की कोशिश थी, जिसने ट्रंप के 2025

के टैरिफ (IEEPA के तहत लगाए गए) को रद्द कर दिया था।

कानून का गलत इस्तेमालफरवरी में जारी आदेश में, ट्रंप ने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 का सहारा लिया था. यह कानून 'पेमेंट डेफिसिट' (भुगतान संतुलन घाटे) या डॉलर की कीमत में भारी गिरावट को रोकने के लिए 150 दिनों तक शुल्क लगाने की अनुमति देता है. हालांकि, अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत ने 2-1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि राष्ट्रपति ने इस दशकों पुराने कानून का गलत इस्तेमाल किया है दिन के भीतर रिफंड का आदेशअदालत का यह फैसला फिलहाल केवल उन्हीं पक्षों पर लागू होता है। जिन्होंने प्रशासन के खिलाफ अदालत में चुनौती दी थी. जजों ने प्रतिवादियों को निर्देश दिया है कि वे 5 दिनों के भीतर इस आदेश का पालन करें और मामले में शामिल आयातकों को उनका पैसा वापस (Refund) करें।

सब्जी मंडी में यातायात व्यवस्था सुधरने से किसानों और व्यापारियों ने ली राहत की सांस

आदित्य शर्मा

इंदौर। प्रातःकाल ड्रोन कैमरे से लिए गए सब्जी मंडी के दृश्य ने वर्तमान व्यवस्था की सफलता को स्पष्ट रूप से दर्शाया है। मंडी परिसर में एक भी सवारी ई-रिक्शा, ऑटो अथवा निजी कार दिखाई नहीं दी, जिससे मंडी क्षेत्र पूरी तरह व्यवस्थित और सुचारु नजर आया। पूर्व में स्थिति यह थी कि मंडी परिसर में सवारी ई-रिक्शा, ऑटो और निजी कारों का अनियंत्रित प्रवेश होने से प्रतिदिन भारी जाम की स्थिति निर्मित होती थी। किसानों को अपनी उपज लेकर आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार घंटों तक वाहन फंसे रहते थे, जिससे व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित होती थीं।

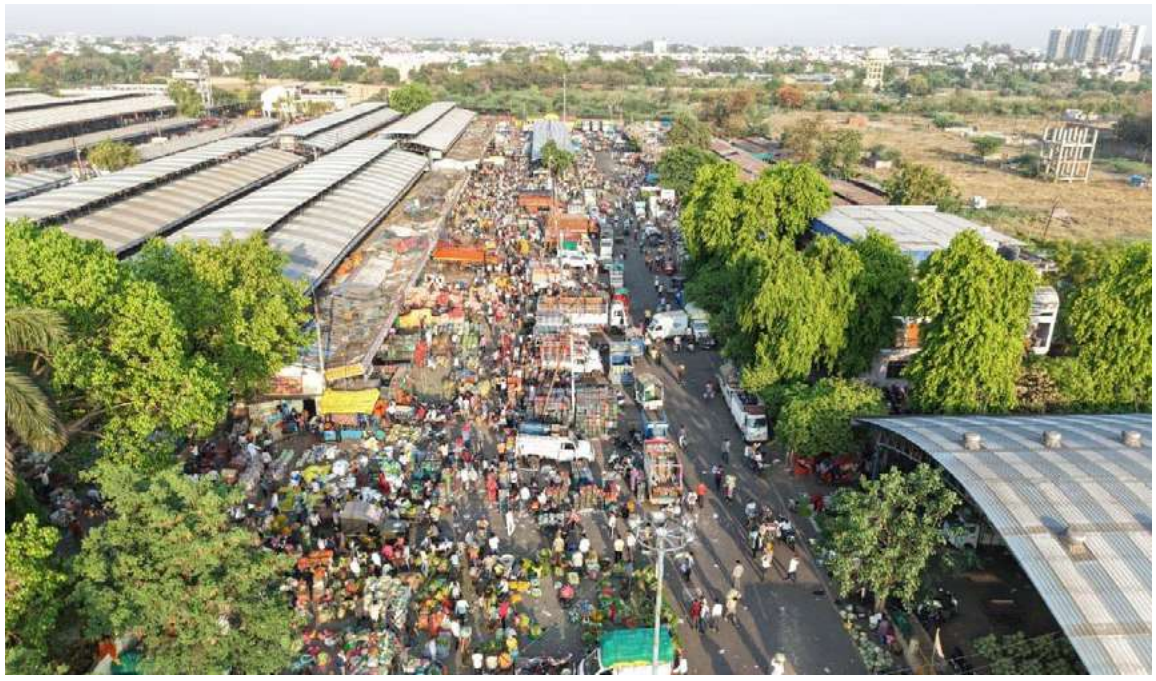

इतना ही नहीं, अव्यवस्थित भीड़ और वाहनों की अधिकता के कारण विवाद, लड़ाई-झगड़े तथा किसानों की उपज चोरी जैसी घटनाएं भी आम हो चुकी थीं। मंडी का वातावरण लगातार अव्यवस्था और तनाव का केंद्र बनता जा रहा था। वर्तमान में इन वाहनों के प्रवेश पर नियंत्रण लगाए जाने के बाद मंडी में व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। किसानों को अपनी उपज सुरक्षित तरीके से लाने और बेचने में सुविधा हो रही है, व्यापारियों को भी कार्य करने के लिए पर्याप्त स्थान और सुगम आवागमन मिल रहा है, वहीं आमजन को भी जाम और अव्यवस्था से राहत मिली है।

किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों का कहना है कि यदि पुनः सवारी ई-रिक्शा, ऑटो और निजी कारों को मंडी परिसर में प्रवेश की अनुमति दी जाती है, तो पूरी व्यवस्था दोबारा बिगड़ सकती है। उनका मानना है कि वर्षों बाद जो सुधार दिखाई दे रहा है, वह फिर कभी कायम नहीं हो पाएगा। मंडी क्षेत्र में वर्तमान व्यवस्था को बनाए रखने की मांग अब लगातार जोर पकड़ रही है, ताकि किसानों और व्यापारियों को भविष्य में भी सुरक्षित, व्यवस्थित और सुचारु वातावरण मिल सके।

श्रवण सिंह चावड़ा (इंदौर ग्रामीण) प्रदेश के सबसे प्रभावी "डिजिटल लीडर" के रूप में उभरकर सामने आए

मध्यप्रदेश भाजपा संगठन इन दिनों डिजिटल बूथ और सोशल मीडिया वॉरियर्स जैसे अभियानों पर लगातार काम कर रहा है। इसी के तहत प्रदेश के भाजपा जिलाध्यक्षों की Facebook, X और Instagram पर मौजूदगी और सक्रियता का संयुक्त अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में सामने आया कि कई जिलाध्यक्ष अभी भी सोशल मीडिया पर सीमित रूप से सक्रिय हैं, जबकि कुछ नेताओं ने तीनों प्रमुख प्लेटफॉर्म पर मजबूत पहचान बनाई है। संयुक्त सोशल मीडिया विश्लेषण में इंदौर ग्रामीण भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा सबसे प्रभावी और संतुलित डिजिटल लीडर के रूप में उभरकर सामने आए हैं। उनकी खास बात यह रही कि उन्होंने Facebook, X और Instagram तीनों प्लेटफॉर्म पर लगातार सक्रियता बनाए रखी है।

Instagram पर

श्रवण सिंह चावड़ा प्रदेश भाजपा के सभी जिलाध्यक्षों में पहले स्थान पर रहे। उनके 78 हजार 800 फॉलोअर्स बताए गए हैं, जो अन्य जिलाध्यक्षों की तुलना में काफी अधिक हैं। माना जा रहा है कि युवा वर्ग और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं तक उनकी पहुंच काफी मजबूत है।

X प्लेटफॉर्म पर

भी उनकी उपस्थिति मजबूत रही। करीब 4 हजार 286 फॉलोअर्स के साथ वे प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहे। कई जिलाध्यक्ष ऐसे भी सामने आए जिनके फॉलोअर्स की संख्या बेहद कम रही। इससे इंदौर ग्रामीण भाजपा की डिजिटल सक्रियता अधिक मजबूत दिखाई दी।

Facebook पर

भी श्रवण सिंह चावड़ा की सक्रियता लगातार बनी रही। हालांकि इस प्लेटफॉर्म पर धार भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती पहले स्थान पर रहे, लेकिन संयुक्त विश्लेषण में देखा गया कि श्रवण सिंह चावड़ा तीनों प्लेटफॉर्म पर संतुलित तरीके से सक्रिय हैं। इसी कारण उन्हें प्रदेश का सबसे प्रभावी डिजिटल जिलाध्यक्ष माना गया।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कई जिलाध्यक्ष सोशल मीडिया पर बहुत कम सक्रिय हैं। कुछ जिलाध्यक्षों के X पर 50 से भी कम फॉलोअर्स पाए गए। वहीं कई नेता Instagram पर लगभग निष्क्रिय दिखाई दिए। कई जिलों में वीडियो और रील आधारित राजनीतिक कंटेंट की भी कमी देखी गई। विश्लेषण के अनुसार इंदौर ग्रामीण भाजपा का मॉडल युवा जुड़ाव, सोशल मीडिया एंगेजमेंट, राजनीतिक प्रतिक्रिया और मल्टी-प्लेटफॉर्म सक्रियता के मामले में प्रदेश का सबसे मजबूत मॉडल बनकर सामने आया है। इसमें श्रवण सिंह चावड़ा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उनकी सोशल मीडिया रणनीति केवल फॉलोअर्स बढ़ाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि संगठनात्मक पहुंच और राजनीतिक सक्रियता को भी मजबूत करने वाली साबित हुई है।

संयुक्त सोशल मीडिया अध्ययन के आधार पर

श्रवण सिंह चावड़ा वर्तमान समय में मध्यप्रदेश भाजपा के सबसे प्रभावी डिजिटल जिलाध्यक्ष के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कांग्रेस के किसान चक्का जाम आंदोलन पर दी तीखी प्रतिक्रिया

इंदौर। मध्यप्रदेश सरकार में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कांग्रेस द्वारा किए जा रहे किसान चक्का जाम आंदोलन को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को किसानों के नाम पर आंदोलन करने के बजाय किसानों से माफी मांगनी चाहिए। मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि कांग्रेस का यह आंदोलन पूरी तरह राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पूर्व में किसानों से झूठे वादे कर उन्हें ठगने का कार्य किया था। भाजपा सरकार किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है तथा किसानों से एक-एक दाना गेहूं खरीदने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने गेहूं उपार्जन केंद्रों पर भंडारण क्षमता को 100 प्रतिशत से बढ़ाकर 120 प्रतिशत कर दिया है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को कर्जमाफी के नाम पर गुमराह किया और वादाखिलाफी कर उन्हें डिफॉल्टर बनाने का काम किया। भाजपा सरकार किसानों को सम्मान और आर्थिक मजबूती देने के लिए लगातार योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों को समर्थन मूल्य, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा जैसी अनेक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार भी किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और कृषि लागत कम करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस को किसानों के मुद्दे पर राजनीति बंद कर आत्ममंथन करना चाहिए तथा किसानों से अपने पुराने वादों पर माफी मांगनी चाहिए। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी विनोद चंदानी, वरिष्ठ नेता कमल पटेल सहकार्यालय मंत्री रवि जैन चंकी शर्मा आदि उपस्थित थे।

रणजीत टाइम्स

चार राज्यों में हार के कारणों पर विचार करने जल्द समीक्षा बैठक बुलाने का निर्णय किया

असम-बंगाल में शर्मनाक हार के लिए कौन जिम्मेदार? तय नहीं कर पा रही कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का केरल के अलावा बाकी चार राज्यों में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। इन राज्यों में हार के कारणों पर विचार करने के लिए पार्टी ने जल्द समीक्षा बैठक बुलाने का भी निर्णय किया है, पर तमाम कोशिशों के बावजूद पार्टी संगठन में जवाबदेही तय करने में विफल रही है। असम में हार के बाद प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दिया है, लेकिन पार्टी ने इस पर कोई फैसला नहीं किया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि हार की समीक्षा के बाद इस बारे में कोई निर्णय किया जाएगा।

पिछले कुछ वर्षों में हुई चुनावी हार के बावजूद संगठन स्तर पर कोई जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बिहार चुनाव में हार का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने जिस तरह हार की समीक्षा बैठक की और कारणों पर चर्चा की। उससे यह उम्मीद जगी थी कि प्रदेश में पार्टी जवाबदेही तय करते हुए नए सिरे से शुरुआत करेगी, लेकिन एक वर्ष बाद भी हालत जस के तस है। संगठन सृजन कार्यक्रम में जिला अध्यक्षों की जवाबदेही तय करने की बात हुई थी।

कई प्रदेशों के नए जिला अध्यक्षों को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि यह पद स्थाई नहीं है, जवाबदेही तय की जाएगी। गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव में हार के बावजूद कोई पहल नहीं हुई है। पार्टी जब जक जिम्मेदारी के साथ जवाबदेही तय नहीं करेगी, तब तक किसी बड़े बदलाव की उम्मीद बेमानी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी को वर्ष 2027 में होने वाले चुनाव में अपना प्रदर्शन सुधारना है, तो शुरुआत करनी होगी। कांग्रेस ने संगठन को जमीनी स्तर पर पुनर्जीवित करने के लिए अप्रैल 2025 में अहमदाबाद अधिवेशन से संगठन सृजन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। लेकिन ऐसा कोई तंत्र नहीं बना है। केरल में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को बहुमत मिलने के बाद सरकार गठन की तैयारी तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री पद की रेस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन, रमेश चेन्निथला और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल सबसे आगे चल रहे हैं। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में गुरुवार को एक प्रस्ताव पारित कर अपने हाईकमान को मुख्यमंत्री चुनने का अधिकार दे दिया गया। यह प्रस्ताव केपीसीसी अध्यक्ष सन्नी जोसेफ ने विधायक दल की बैठक के दौरान पेश किया। इस बैठक में एआईसीसी पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक और अजय माकन भी मौजूद थे। इस प्रस्ताव को विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया है।

सराय काले खां से मेरठ तक..., नमो भारत के 21 स्टेशनों का बदलेगा नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। नमो भारत के स्टेशनों को अब निजी कंपनियों के नाम से भी जाना जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर के 21 स्टेशनों पर विज्ञापन और ब्रांडिंग के लिए कंपनियों को आमंत्रित किया है। इस योजना के तहत जो कंपनियां इन स्टेशनों के ब्रांडिंग अधिकार खरीदेंगी, वे स्टेशन के असली नाम के साथ अपना नाम जोड़ सकेंगी। यह विज्ञापन सिर्फ बोर्ड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्टेशन के प्लेटफॉर्म, खंभों, एंट्री और एग्जिट गेट पर भी कंपनी का लोगो और नाम दिखाई देगा। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन के अंदर होने वाली घोषणाओं में भी उस कंपनी का नाम लिया जाएगा और स्टेशन के नक्शों पर भी इसे दिखाया जाएगा। इसके अलावा कंपनियों को स्टेशन के भीतर अपना छोटा स्टाल लगाने की जगह भी मिलेगी। इन 21 स्टेशनों में सराय काले खान, न्यू अशोक नगर, आनंद विहार, साहिबाबाद, गाजियाबाद, दुहाई, मुरादनगर, मोदी नगर साउथ, मोदी नगर नॉर्थ, मेरठ साउथ, प्रतापपुर, रिठानी, शताब्दी नगर, ब्रह्मपुरी, मेरठ सेंट्रल, भैसाली, बेगमपुल, एमईएस कॉलोनी, दौरली, मेरठ नॉर्थ और मोदीपुरम शामिल हैं। एनसीआरटीसी का मानना है कि ये स्टेशन बाजारों और रिहायशी इलाकों के काफी करीब हैं, जिससे विज्ञापन देने वाली कंपनियों को बहुत फायदा होगा।

कोरोना से कितना अलग हंता वायरस? , डब्ल्यूएचओ ने जारी की है चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रूज के हंता वायरस की चपेट में आने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि यह गंभीर संक्रामक बीमारी है। डब्ल्यूएचओ की वैश्विक महामारी की निदेशक मारिया वैन केरखोव ने कहा कि यह अगला कोविड नहीं है, लेकिन यह एक गंभीर संक्रामक बीमारी है। हम इस वायरस को जानते हैं। यह कई वर्षों से मौजूद है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार क्रूज पर पहली मौत 11 अप्रैल को हुई थी। मरने वाला 70 साल का एक डच व्यक्ति था। लगभग दो हफ्ते बाद सेंट हेलेना में उसके शव को क्रूज से उतारा गया। उसकी 69 साल की पत्नी सेंट हेलेना से हवाई जहाज से दक्षिण अफ्रीका गई। वह हवाई अड्डे पर अचानक गिर पड़ी और 26 अप्रैल को अस्पताल में उनकी मौत हो गई। तीसरी यात्री एक जर्मन महिला थी।

इससे बचाव के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना सबसे जरूरी है। चूहों से दूर रहना, घर को साफ रखना और गंदे या बंद स्थानों की सफाई करते समय सावधानी बरतना बेहद महत्वपूर्ण है। कोरोना से बचाव के लिए हाथ धोना, मास्क पहनना और भीड़ से बचना जैसे उपाय अपनाने चाहिए।

हंतावायरस के शुरुआती लक्षण आम फ्लू जैसे होते हैं, जैसे बुखार, थकान और शरीर में दर्द, लेकिन जैसे-जैसे संक्रमण बढ़ता है, ये गंभीर रूप ले सकता है। सांस लेने में परेशानी, फेफड़ों में पानी भरना या किडनी से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है।

फिलहाल भारत में हंता वायरस को लेकर कोई बड़ा खतरा या अलर्ट नहीं है। यहां इसके मामले बहुत कम पाए जाते हैं और कई बार इसकी पहचान भी मुश्किल हो जाती है, क्योंकि इसके लक्षण दूसरी सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं।

हंता एक गंभीर और जानलेवा वायरस है, जो मुख्य रूप से चूहों से इंसानों में फैलता है। यह नया वायरस नहीं है। इसके लक्षण और गंभीरता इसे खतरनाक बनाते हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार यह वायरस संक्रमित चूहों के पेशाब, लार या मल के संपर्क में आने से फैलता है। चूहों के मल-मूत्र के सूखने पर उसके कण हवा में मिल जाते हैं और सांस के जरिए इंसान के शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।

वेबसाइट नेचर के मुताबिक भारत में पहले भी हंता वायरस के कई मामले सामने आ चुके हैं। साल 2008 में तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में हंता वायरस फैला था। तब इरुला समुदाय के 28 लोग इससे संक्रमित हुए थे। ये मुख्य रूप से सांप और चूहे पकड़ने वाले थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2016 में मुंबई में एक 12 साल के बच्चे की मौत इस बीमारी से हुई थी। उसके फेफड़ों से खून बह रहा था। यह इस वायरस का एक प्रमुख लक्षण है।

हंता वायरस और कोरोना वायरस दोनों ही आरएनए वायरस हैं, लेकिन इनका फैलने का तरीका बिल्कुल अलग है। कोरोना वायरस इंसान से इंसान में तेजी से फैलता है, जबकि हंता वायरस ज्यादातर चूहों के संपर्क से फैलता है और इंसानों के बीच इसका फैलाव बहुत कम होता है। इसी वजह से कोरोना ने महामारी का रूप लिया। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि उसने 12 देशों को सूचित किया है।

नाबालिग पीड़िता के यहां समयपूर्व जन्मा नवजात, परिजनों ने ठुकराया

नई दिल्ली, एजेंसी। दुष्कर्म की शिकार एक नाबालिग किशोरी के गर्भ समापन से जुड़े मामले ने अब नया और संवेदनशील मोड़ ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट से गर्भ समापन की अनुमति मिलने के बाद चिकित्सकीय प्रक्रिया के दौरान समयपूर्व नवजात का जन्म हो गया। जन्म के बाद से नवजात एम्स में चिकित्सकों की विशेष निगरानी में है, जबकि पीड़िता और उसके स्वजन ने नवजात को अपनाने और अपने साथ रखने से इन्कार कर दिया है। इससे दुविधा खड़ी हो गई है। एम्स सूत्रों के अनुसार नाबालिग की गर्भावस्था उन्नत अवस्था में पहुंच चुकी थी।

बंगाल जीत पर अमित शाह बोले- अब भयमुक्त होगा सोनार बांग्ला

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया। कोलकाता में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में सुवेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद शाह ने कहा कि बंगाल अब भयमुक्त और विकास की नई राह पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने राज्य की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताकर ऐतिहासिक जनादेश दिया है। अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि कम्युनिस्ट शासनकाल से बंगाल में जो राजनीतिक माहौल बना था, उसे ममता बनर्जी सरकार ने और गहरा कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में लंबे समय तक ऐसा वातावरण रहा, जहां आम लोगों के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से मतदान करना मुश्किल हो गया था। शाह ने कहा कि इसके बावजूद

बंगाल की जनता ने लोकतंत्र में विश्वास बनाए रखा और भाजपा को स्पष्ट बहुमत देकर बदलाव का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि अब भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। पार्टी को जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए "सोनार बांग्ला" का सपना साकार करना होगा। शाह ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब बंगाल ऐसा राज्य बनने की ओर बढ़ रहा है जहां लोगों का मन भयमुक्त होगा और हर व्यक्ति गर्व के साथ सिर ऊंचा करके जी सकेगा। अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि आज "गंगोत्री से गंगासागर तक" भाजपा की सरकार है और यह देश में पार्टी के बढ़ते जनाधार का प्रमाण है। उनके इस बयान पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार तालियों और नारों के साथ स्वागत किया। कोलकाता में भाजपा की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

"हम कौन हैं?-स्वयं की खोज की एक यात्रा" सहजयोग

मनुष्य सदियों से एक ही प्रश्न पूछता आया है- "मैं कौन हूँ?" क्या हम केवल यह शरीर हैं? क्या हमारा अस्तित्व केवल नाम, पद, संबंध और विचारों तक सीमित है? जब जीवन में संघर्ष, तनाव, भय और असंतोष बढ़ता है, तब भीतर से एक आवाज़ उठती है-"क्या जीवन का कोई गहरा अर्थ भी है?" सहजयोग इसी प्रश्न का उत्तर देने वाली एक आध्यात्मिक यात्रा है-स्वयं को जानने की यात्रा। aआज का मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खालीपन अनुभव करता है। भौतिक प्रगति के बावजूद मानसिक तनाव, चिंता और असंतोष बढ़ते जा रहे हैं। स्वयं की खोज इसलिए आवश्यक है क्योंकिः यह हमें आंतरिक शांति देती है जीवन का वास्तविक उद्देश्य समझाती है संबंधों में प्रेम और संतुलन लाती है मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है हमें वर्तमान क्षण में जीना सिखाती है सहजयोग एक सरल, स्वाभाविक और अनुभव आधारित ध्यान पद्धति है, जिसकी स्थापना श्री माताजी निर्मला देवी ने 1970 में की। "सहज" का अर्थ है-जो जन्म से हमारे भीतर विद्यमान है, और "योग" का अर्थ है-आत्मा का परमात्मा से मिलन। सहजयोग का मुख्य उद्देश्य है आत्मसाक्षात्कार-अर्थात अपने वास्तविक स्वरूप, आत्मा, का अनुभव करना। यह केवल किसी सिद्धांत या दर्शन तक सीमित नहीं है,

बल्कि एक जीवंत अनुभव है, जिसे हर व्यक्ति स्वयं महसूस कर सकता है।सहजयोग के अनुसार मनुष्य केवल शरीर, मन और बुद्धि नहीं है। हमारे भीतर एक सूक्ष्म चेतना विद्यमान है जिसे आत्मा कहा गया है। यही आत्मा हमारे अस्तित्व का वास्तविक स्वरूप है। आत्मा का अनुभव ही स्वयं की खोज की पहली सीढ़ी है। सहजयोग में बताया गया है कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर रीढ़ की हड्डी के आधार में एक सूक्ष्म ऊर्जा स्थित होती है, जिसे कुंडलिनी कहा जाता है। यह शक्ति हमारी आध्यात्मिक माता के समान है। जब ध्यान के माध्यम से यह जागृत होती है, तब यह हमारे सूक्ष्म चक्रों को संतुलित करते हुए सहस्रार तक पहुँचती है। इसी अवस्था में व्यक्ति आत्मसाक्षात्कार का अनुभव करता है। इस अनुभव के दौरान साधक अपने हाथों और सिर के ऊपर ठंडी हवा या कंपन महसूस कर सकता है, जिसे चैतन्य लहरियाँ कहा जाता है। जब मनुष्य स्वयं को जान लेता है, तब बाहरी परिस्थितियाँ उसे उतना विचलित नहीं कर पातीं। सहजयोग हमें यह अनुभव कराता है किः"हम केवल यह शरीर नहीं हैं बल्कि शुद्ध आत्मा हैं।" "हम कौन हैं?" यह केवल एक दार्शनिक प्रश्न नहीं, बल्कि जीवन का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। सहजयोग इस प्रश्न का उत्तर किसी पुस्तक या तर्क से नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष अनुभव से देता है। स्वयं की खोज की यह यात्रा बाहर नहीं, भीतर की ओर जाती है। "अपने भीतर की शांति को पहचानना ही वास्तविक आत्मज्ञान है।" सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

छत्रीपुरा पुलिस को हॉट स्पॉट चेकिंग में बड़ी सफलता, 168 बीयर कैन के साथ आरोपी गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना छत्रीपुरा पुलिस को हॉट स्पॉट चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र से एक आरोपी को अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पुलिस आयुक्त संतोष सिंह के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त जोन-4 के मार्गदर्शन में अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा हॉट स्पॉट एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी।

चेकिंग के दौरान गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक सफर बैग और प्लास्टिक के बोरे में रखी अवैध अंग्रेजी शराब की 168 बीयर कैन बरामद हुईं। जब्त शराब की कुल मात्रा 84 बल्क लीटर एवं अनुमानित कीमत लगभग 23,520 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी अंकित पिता महेश सिसोदिया (26 वर्ष), निवासी ग्राम मिर्जापुर, यशवंत सागर के पास, थाना देपालपुर, इंदौर को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव सहित पुलिस टीम के अधिकारियों और जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हज यात्रियों के स्वागत समारोह में गूंजा अमन और भाईचारे का संदेश

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। पटेल परिवार द्वारा आयोजित हज यात्रियों के स्वागत समारोह में सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियों ने शामिल होकर हज पर जाने वाले यात्रियों का सम्मान किया और देश में अमन, शांति एवं भाईचारे की दुआ करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सर्व धर्म सूफ़ी संत महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज, पूर्व राज्य मंत्री दिलीप राजपाल, एक तू ही गुरुद्वार जयगुरूदेव विश्व प्राकृतिक आध्यात्मिक ध्यान मंदिर की महासचिव साध्वी अनंता देवी, राजनाथ महाराज, मनीषा बौरासी, चिंटू चौकसे, जावेद लाला, डॉ. अब्दुल गफ्फार खान सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

समारोह के दौरान हज यात्रियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। संतों एवं अतिथियों ने यात्रियों से मक्का में देश की खुशहाली, अमन-चैन और आपसी प्रेम-भाईचारे के लिए दुआ करने का आग्रह किया। स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज ने कहा कि सभी धर्म प्रेम, मानवता और शांति का संदेश देते हैं। वहीं पूर्व राज्य मंत्री दिलीप राजपाल ने कहा कि देश में सद्भाव और भाईचारा बना रहे, यही सबसे बड़ी आवश्यकता है। साध्वी अनंता देवी

ने हज पर जाने वाले सभी महिलाओं और पुरुषों को शुभकामनाएं देते हुए सफल यात्रा की कामना की। कार्यक्रम के अंत में कारपोरेटर जावेद लाला ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया। समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

चेकिंग के दौरान ट्रैफिक पुलिस और भाजपा नेता के बीच विवाद

महूनाका पर चक्काजाम, हंगामे और चक्काजाम की वजह से यातायात हुआ प्रभावित

इंदौर। इन दिनों पूरे शहर में ट्राफिक पुलिस द्वारा हेलमेट और वाहनों की चेकिंग का अभियान चलाया जा रहा है। इसके चलते कई बार विवाद की स्थिति भी बनती है। ऐसा ही विवाद शुक्रवार को महूनाका चौराहे पर हुआ,जिसके बाद भाजपा नेता के समर्थकों ने चक्काजाम कर दिया। इस चक्काजाम के चलते जहां यातायात प्रभावित हुआ, वहीं वाहन चालक परेशान होते रहे। जानकारी के मुताबिक भाजपा नेता वीरेंद्र शेडगे की बाइक को पुलिसर्मियों ने रोकने की कोशिश की। आरोप है कि इस दौरान जब उन्होंने बाइक नहीं रोकी तो पुलिसकर्मी ने हाथ उठा दिया। इस घटना के बाद विवाद और बढ़ गया। वीरेंद्र शेडगे भाजपा विधानसभा 4 के प्रभारी हैं। इस घटना के बाद नेता के समर्थक बड़ी संख्या में महू नाका चौराहे पर पहुंच गए और चक्काजाम कर दिया। उन्होंने टीआई राधा यादव सहित अन्य पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्रवाई कर हटाने की मांग की। हंगामे के दौरान पुलिसकर्मी स्थिति संभालने में लगे रहे। समर्थकों ने पुलिसकर्मी शेडगे पर बाइक

चलाते हुए मोबाइल पर बात करने का आरोप लगायां, लेकिन आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में ऐसा कुछ नजर नहीं आया।

बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे – हंमामें की सूचना मिलने के बाद ट्रैफिक पुलिस के बड़े अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। भाजपा नेता वीरेंद्र शेडगे के समर्थकों ने अधिकारियों को सीसीटीवी फुटेज दिखाकर टीआई सहित अन्य पुलिसकर्मियों को तुरंत सस्पेंड करने की मांग की। इस दौरान यहां यातायात बुरी से प्रभावित हो गया और गाड़ियों की लाइन लग गई। स्थिति को देखते हुए इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया।

दो पुलिसकर्मी सस्पेंड, टीआई को फील्ड से हटाया –यातायात पुलिस ने विरोध बढ़ते देख एक्शन लेते हुए दो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों कॉन्स्टेबल शेखर और सूबेदार लक्ष्मी को निलंबित कर दिया है। ट्रैफिक टीआई राधा यादव को कार्यालय में अटैच कर दिया है। एसीपी शिवेंदु जोशी ने बताया कि सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। फुटेज सामने आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अतिरिक्त बल लगाया – भाजपा कार्यकर्ता महिला टीआई और अन्य पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की मांग पर अड़ गए। विरोध बढ? पर कार्यकताओं ने महूनाका चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। सडक पर बैठकर प्रदर्शन करने से इलाके में यातायात प्रभावित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कार्यकताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन देर तक तनाव का माहौल बना रहा।

कांग्रेस का हाइवे जाम : दिग्गज नेताओं सहित 33 पर केस दर्ज

इंदौर। किसानों की मांगों को लेकर कांग्रेस द्वारा गुरुवार को किए गए विरोध प्रदर्शन और चक्काजाम के मामले में जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेडे सहित तैंतीस लोगों पर प्रकरण दर्ज किया गया है। किशनगंज थाना क्षेत्र में पिगडंबर में किए गए जाम के मामले में पार्षद राजू भदौरिया जैसे प्रमुख चेहरों को आरोपी बनाया गया है। इनके अलावा किसान कांग्रेस अध्यक्ष जीतू ठाकुर, सदाशिव यादव, शक्ति सिंह गोयल, अजय रघुवंशी, शुभम दरबार, सोहन सिंह ठाकुर, सरपंच विजय बिलोनिया, अशोक सैनी और सोराब पटेल सहित कुल 33 नेताओं को नामजद किया गया है। गुरुवार को आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसी नेताओं ने किसानों की मांगों को लेकर हाईवे के बीचों-बीच धरना दे दिया था। इस चक्का जाम के चलते सडक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बार-बार समझाइश देने के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने रास्ता नहीं खोला, जिससे आम जनता और आपातकालीन सेवाओं के लिए गंभीर स्थिति पैदा हो गई। सार्वजनिक मार्ग को अवैध रूप से अवरुद्ध करने और शासन के निदेर्शों का उल्लंघन करने के आरोप में किशनगंज पुलिस ने अब इन सभी नेताओं के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपियों में महू ब्लॉक अध्यक्ष विष्णु मालवीय, योगेश बीना, मनोहर सारदिया और कान्हा उर्फ कृष्णा गोयल जैसे स्थानीय पदाधिकारियों के नाम भी शामिल हैं।

दिन का पारा 2 डिग्री, रात का 5 डिग्री उछला, बढ़ी उमस और गर्मी

अगले सप्ताह 43 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान, लू के आसार

इंदौर। शहर में गर्मी ने एक बार फिर तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले 24 घंटों में दिन और रात दोनों के तापमान में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे लोगों को तीखी गर्मी और उमस का अहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी और अगले सप्ताह पारा 43 डिग्री तक पहुंच सकता है। विमानतल स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक शुक्रवार को शहर का अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य रहा, लेकिन एक दिन पहले की तुलना में 1.8 डिग्री अधिक था। वहीं न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा और पिछले दिन की तुलना में 4.7 डिग्री अधिक रहा। यानी महज 24 घंटों में दिन का पारा करीब 2 डिग्री और रात का तापमान लगभग 5 डिग्री तक उछल गया। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान दक्षिण-पश्चिमी हवाएं सक्रिय रहीं, जिनकी अधिकतम रफ्तार 41 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंची।

इंदौर में पहली बार 45 मीटर हाईराइज का अभिविन्यास निरस्त, 25 फीट सड़क गायब करने का खुलासा

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद टीएनसीपी का बड़ा एक्शन, 100 से ज्यादा प्रोजेक्ट जांच के दायरे में

इंदौर। इंदौर में विकास योजनाओं और हाईराइज निर्माणों को लेकर बड़ा प्रशासनिक एक्शन सामने आया है। शहर में पहली बार 45 मीटर ऊंची हाईराइज बिल्डिंग का अभिविन्यास (ले-आउट अनुमोदन) निरस्त कर दिया गया है। मामला अक्षयधाम क्षेत्र के पीछे स्थित तोगड़िया की जमीन से जुड़ा बताया जा रहा है, जहां नियमों को दरकिनार कर निर्माण स्वीकृति लेने का आरोप है। सूत्रों के मुताबिक इस मामले की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंची थी, जिसके बाद नगर तथा ग्राम निवेश विभाग (टीएनसीपी) ने सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित अभिविन्यास निरस्त कर दिया। कार्रवाई के बाद बिल्डर लॉबी और विभागीय अधिकारियों में हड़कंप की स्थिति बन गई है।

30 मीटर सड़क अनिवार्य, मौके पर सड़क ही नहीं मिली – नियमों के अनुसार 45 मीटर ऊंची हाईराइज बिल्डिंग के लिए कम से कम 30 मीटर चौड़ी पहुंच मार्ग (रोड) होना अनिवार्य है। लेकिन जांच में सामने आया कि संबंधित प्रोजेक्ट के सामने न केवल आवश्यक चौड़ाई का रास्ता नहीं था, बल्कि करीब 25 फीट चौड़ी पुरानी सड़क को भी रिकॉर्ड और नक्शों से गायब कर दिया गया।

कलेक्टर और टीएनसीपी की संयुक्त टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां सड़क का नामोनिशान तक नहीं मिला। बताया जा रहा है कि लगभग 30 साल पुरानी सड़क को योजनाबद्ध तरीके से खत्म दिखाकर हाईराइज प्रोजेक्ट को स्वीकृति दिलाने की कोशिश की गई।

अफसरों पर भी गिर सकती है गाज – मामले में अब उन अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है जिन्होंने इस प्रोजेक्ट को अनुमति दी थी। सूत्रों के अनुसार नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के कुछ अधिकारियों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। यह भी जांच की जा रही है कि किस आधार पर सड़क और पहुंच मार्ग से जुड़े दस्तावेजों को मंजूरी दी गई।

100 से ज्यादा हाईराइज प्रोजेक्ट रडार पर –मुख्यमंत्री के अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश के बाद अब शहर के 100 से ज्यादा हाईराइज और बड़े प्रोजेक्ट्स की फाइलों की दोबारा जांच शुरू हो गई है। इनमें कई ऐसे प्रोजेक्ट बताए जा रहे हैं जिन्हें कथित रूप से नियमों में ढील देकर स्वीकृत किया गया था।

टीएनसीपी अब पुराने अनुमोदनों, सड़क चौड़ाई, पहुंच मार्ग, एफएआर और भूमि उपयोग से जुड़े दस्तावेजों का पुनः परीक्षण कर रहा है। आने वाले दिनों में कई और बड़े प्रोजेक्ट्स पर कार्रवाई संभव मानी जा रही है।

बिल्डर लॉबी में बढ़ी चिंता – इस कार्रवाई के बाद शहर के बिल्डरों और डेवलपर्स में चिंता बढ़ गई है। जिन परियोजनाओं में नियमों से समझौता कर स्वीकृति ली गई है, वे अब प्रशासन की निगरानी में हैं। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि नियमों के विपरीत पाए जाने वाले किसी भी प्रोजेक्ट पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

51 लाख का आदर्श बगीचा कागजों में अटका

दो बार टेंडर जारी, फिर भी ठेकेदार नहीं आए आगे ; निगम की आर्थिक स्थिति बनी बड़ी बाधा

इंदौर। शहर में विकास कार्यों को लेकर नगर निगम की आर्थिक स्थिति अब बड़ी चुनौती बनती जा रही है। इसका असर उन परियोजनाओं पर भी दिखाई दे रहा है, जिन्हें शहर की सुविधा और सौंदर्य बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। ऐसा ही एक मामला पलसीकर क्षेत्र के औद्योगिक इलाके के पास प्रस्तावित आदर्श बगीचे का है, जो करीब 52 लाख रुपए की लागत से बनाया जाना था, लेकिन फिलहाल यह योजना केवल कागजों तक सीमित होकर रह गई है। नगर निगम के झोन कार्यालय क्रमांक-3 द्वारा पीके ग्राउंड रोड स्थित बगीचे को आदर्श बगीचे के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया था। इस परियोजना के तहत बगीचे में आधुनिक सुविधाएं, सौंदर्यीकरण और बैठने की बेहतर व्यवस्था विकसित की जानी थी। योजना को प्रशासनिक मंजूरी भी मिल चुकी है, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

बताया जा रहा है कि नगर निगम की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण ठेकेदार इस परियोजना में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। निगम द्वारा अब तक दो बार टेंडर जारी किए जा चुके हैं, लेकिन कोई भी ठेकेदार काम लेने के लिए सामने नहीं आया। निगम के कई विकास कार्य पहले से भुगतान संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे हैं, जिसके चलते ठेकेदारों में भी भरोसे की कमी देखी जा रही है। जिस स्थान पर आदर्श बगीचा बनाया जाना प्रस्तावित है, वहां पहले से हरियाली और बड़े पेड़ों की भरमार है। आसपास औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां बड़ी संख्या में कर्मचारी और कामगार आते-जाते हैं। ऐसे में यदि यह बगीचा विकसित हो जाता, तो लोगों को आराम और सुकून के कुछ पल बिताने के लिए बेहतर सार्वजनिक स्थान मिल सकता था। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि परियोजना को शुरू कराने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं, लेकिन आर्थिक परिस्थितियों और भुगतान को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

शासन की दो टूक : इंदौर में किसी भी सड़क की चौड़ाई कम नहीं होगी

नगर निगम के प्रस्ताव को शासन ने किया खारिज, मास्टर प्लान 2035 के मापदंड यथावत रहेंगे

इंदौर। शहर की सड़कों की चौड़ाई को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच शासन ने स्पष्ट कर दिया है कि इंदौर में किसी भी सड़क की चौड़ाई कम करने की अनुमति नहीं दी गई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगर निगम के उस प्रस्ताव को मंजूरी देने से इंकार कर दिया है, जिसमें मास्टर प्लान की सड़कों की चौड़ाई घटाने और निर्माण में कुछ ढील देने की बात कही गई थी। जानकारी के अनुसार नगर निगम ने मास्टर प्लान की सड़कों के संबंध में शासन को पत्र भेजकर कुछ मार्गों की चौड़ाई कम करने पर विचार करने का अनुरोध किया था। हालांकि विभाग ने साफ शब्दों में कहा है कि शहर के सुनियोजित विकास और भविष्य की यातायात जरूरतों को देखते हुए मास्टर प्लान में तय सड़क चौड़ाई में किसी प्रकार का परिवर्तन स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सचिवालय में इस मुद्दे पर हुई चर्चा के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने स्पष्ट किया कि नगर निगम को अपने स्तर पर सड़क चौड़ाई घटाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि इंदौर के मास्टर प्लान में 450 फीट तक चौड़ी सड़कों का प्रावधान किया गया है और इन्हें भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर मंजूरी दी गई है।

शासन ने यह भी स्पष्ट किया कि मास्टर प्लान 2035 के तहत जिन सड़कों की चौड़ाई और विस्तार के मानक निर्धारित किए गए हैं, उनका पालन अनिवार्य होगा। अधिकारियों का मानना है कि यदि सड़क चौड़ाई में कमी की जाती है तो इससे शहर के दीर्घकालिक और सुनियोजित विकास पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

नगर निगम अधिकारियों ने भी स्वीकार किया है कि शासन के निर्देशों के बाद अब सभी सड़क निर्माण और चौड़ीकरण कार्य मास्टर प्लान के अनुरूप ही किए जाएंगे। शासन के इस फैसले को शहर की बढ़ती यातायात समस्याओं और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए अहम माना जा रहा है।

व्यापारियों और सरकार के बीच सेतु बनेगा 'व्यापारी कल्याण बोर्ड', जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव का भव्य अभिनंदन

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। मध्य प्रदेश कैबिनेट द्वारा राज्य स्तरीय 'व्यापारी कल्याण बोर्ड' के गठन के निर्णय का शिवपुरी में हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में व्यापारी प्रकोष्ठ द्वारा जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव का शॉल-श्रीफल से अभिनंदन कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जसमंत जाटव ने कहा कि यह बोर्ड व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का केंद्र बिंदु बनेगा। उन्होंने प्रदेश संयोजक धीरज खंडेलवाल के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे व्यापारिक जगत के लिए एक नई और सकारात्मक शुरुआत बताया।

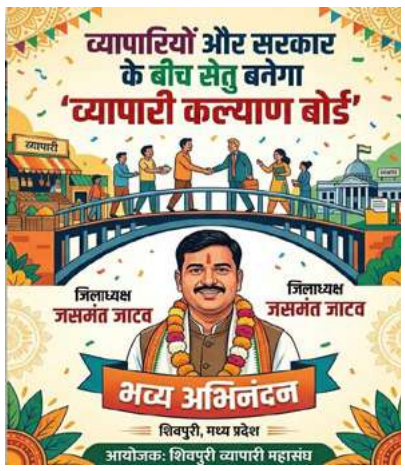

जिला संयोजक तरुण अग्रवाल ने इस निर्णय को "मील का पत्थर" बताते हुए कहा कि इससे व्यापारियों के सुझाव सीधे शासन तक पहुँच सकेंगे।

खकनार तहसील में जनगणना कार्य की समीक्षा बैठक, उत्कृष्ट कर्मचारियों का हुआ सम्मान

भोपाल से पहुंचे जनगणना अधिकारी विनय श्रीवास्तव ने तहसील क्षेत्र में चल रहे जनगणना कार्यों का निरीक्षण किया

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर,डोईफोडिया : आगामी जनगणना कार्य को लेकर खकनार तहसील में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भोपाल से पहुंचे जनगणना अधिकारी विनय श्रीवास्तव ने तहसील क्षेत्र में चल रहे जनगणना कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जनगणना कार्य की प्रगति, आंकड़ों की शुद्धता तथा समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने पर विशेष चर्चा की गई। बैठक के दौरान विनय श्रीवास्तव ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़े एकत्र करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों की आधारशिला है। सही एवं सटीक जानकारी के आधार पर ही सरकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा अन्य योजनाओं की रूपरेखा तैयार करती है। उन्होंने सभी प्रगणकों और सुपरवाइजरों से पूरी जिम्मेदारी एवं ईमानदारी के साथ कार्य करने की अपील की।

इस अवसर पर उन सुपरवाइजर एवं प्रगणकों को सम्मानित किया गया जिन्होंने जनगणना कार्य में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करते हुए उत्कृष्ट कार्य किया। सम्मानित होने वालों में विजय सारथे और अर्जुन सिंह राठौर प्रमुख रहे। अधिकारियों ने उनके कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कर्मचारी अन्य लोगों के लिए प्रेरणा हैं। बैठक में चार्ज अधिकारी जितेंद्र अलावा एवं सहायक चार्ज अधिकारी रविन्द्र सिंह मंडलोई भी मौजूद रहे। उन्होंने क्षेत्र में चल रहे जनगणना कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि टीम लगातार घर-घर पहुंचकर जानकारी एकत्र कर रही है और कार्य को तय समय में पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में उपस्थित सुपरवाइजरगण एवं प्रगणकों को जनगणना से संबंधित तकनीकी पहलुओं, डेटा संकलन की प्रक्रिया और रिकॉर्ड की शुद्धता बनाए रखने के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि से बचते हुए कार्य को पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाए।

नेपाल में आयोजित एशियन थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अनुज अग्रवाल दिखाएंगे अपना दमखम

सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने बॉक्सर का बढ़ाया हौसला

थाई बॉक्सिंग ऑफ इंडिया के तत्वाधान में आयोजित एशियन थाई बॉक्सिंग प्रतियोगिता जो दिनांक 08 मई से 11 मई तक नेपाल (पोखरा) में आयोजित होगी। जिसमें चार देशों की टीम श्रीलंका,भारत, फिलीपीन और नेपाल देश भाग ले रही है । जिसमें थाई बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ से कुल 05बॉक्सर्स और 02 ऑफिसियल में अंतरराष्ट्रीय रेफरी राजेश कुमार भी टीम के साथ रवाना हुए । जिसमें कोरबा जिले से ड्रेगन मार्शल आर्ट एकेडमी से अनुज अग्रवाल का चयन एशियन थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है । जो यूथ सीनियर - 57 किलो ग्राम वजन वर्ग में हुआ है । साथ ही उनके कोच अजीत कुमार शर्मा ने बताया इससे पहले अनुज अग्रवाल ने 03 बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के लिए 02 स्वर्ण और 01 रजत पदक प्राप्त किया है । उसी के आधार पर इसका चयन एशियन थाई बॉक्सिंग के लिए हुआ । प्रतियोगिता में जाने से पहले अनुज अग्रवाल ने सभी अधिकारियों से आशीर्वाद लिया ।जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉक्सिंग उपाध्यक्ष एवं सभापति नूतन सिंह ठाकुर ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पाटले, महापौर संजू देवी राजपूत, जिला महांत्री नरेंद्र देवांगन, खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी दीनू पटेल सहायक क्रीड़ा अधिकारी रामकृपाल साहू, जिला क्रीड़ा अधिकारी जी वी गवेल , पूर्व सहायक क्रीड़ा अधिकारी के आर टंडन, छत्तीसगढ़ थाई बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष दीपक प्रसाद, उपाध्यक्ष रविंद्र साहू , कोषाध्यक्ष राजेश कुमार , ड्रेगन मार्शल आर्ट एकेडमी के संचालक एवं टेक्निकल डायरेक्टर अजीत शर्मा, रेफरी कमेटी हेड महेश देवांगन,लल्लू यादव सर ,विवेकानंद गोपाल, हार्दिक दुरेजा, मुस्कान जायसवाल, मोहम्मद आरिफ, शुभम दास,पूजा मिश्रा , आलोक शर्मा , प्रीति चौहान, आश्रिता चौहान ,हर्ष यादव, शेन एलेक्स, मनीष पांडे, आदि सभी ने बॉक्सर्स अनुज अग्रवाल को खेल में अच्छा प्रदर्शन एवं स्वर्ण पदक जीतकर आने की ढेर सारी शुभकामनाएं दी ।

शिवपुरी में 'लेडी सिंघम' की एंट्री : SP यांगचेन डोलकर भुटिया ने संभाली कमान, अपराधियों में खौफ और कानून का राज पहली प्राथमिकता

शिवपुरी। जिला पुलिस की कमान अब नवागत पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भुटिया के हाथों में है। आज पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जिले में कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। पदभार संभालने के तुरंत बाद एसपी ने जिले के राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। इस दौरान उन्होंने जिले के भौगोलिक और आपराधिक परिदृश्य को समझा और सख्त लहजे में निर्देश दिए कि जनसुनवाई और त्वरित न्याय में कोई कोताही न बरती जाए। कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी और हाईटेक बनाने पर जोर दिया।

राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त संजीव कांकर का बंटू ढाबा पर भव्य स्वागत

दिव्यानंद अर्गल

मालनपुर :- मध्य प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन के उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त संजीव कांकर का आज क्षेत्र के प्रसिद्ध बंटू ढाबा पर प्रथम आगमन हुआ। राज्य मंत्री का पदभार ग्रहण करने के उपरांत ग्वालियर से भिंड अंचल की यह उनकी पहली यात्रा थी, जिसे लेकर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों में जबरदस्त उत्साह नजर आया। बंटू ढाबा पहुंचने पर संचालक दिनेश सिंह परिहार 'बंटू' ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं माल्यार्पण कर राज्य मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज और आतिशबाजी से पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। स्वागत से अभिभूत कांकर ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भिंड की यह आत्मीयता हमेशा याद रहेगी।

स्वाद, गुणवत्ता और साफ-सफाई की खुलकर तारीफ

कार्यक्रम के समापन पर कांकर ने ढाबे के व्यंजनों का स्वाद चखा और भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "बंटू ढाबा स्वाद, गुणवत्ता और साफ-सफाई का अद्भुत संगम है। स्थानीय व्यंजनों को जिस शुद्धता और आत्मीयता से परोसा जा रहा है, वह वाकई काबिल-ए-तारीफ है।" उन्होंने संचालक दिनेश सिंह परिहार को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं।

कार्यकर्ताओं की रही विशेष मौजूदगी

इस अवसर पर राज्य मंत्री के साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में श्री कांकर के नेतृत्व में चंबल अंचल के सर्वांगीण विकास का भरोसा जताया। राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त होने के बाद संजीव कांकर का यह पहला भिंड प्रवास था, जिससे पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। स्थानीय लोगों का मानना है कि उनके इस दायित्व से भिंड-चंबल क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति मिलेगी। स्वागत के दौरान दिनेश कक्कर, बल्ली पंडित, बंटी त्यागी, सुनील भदोरिया, शरद त्यागी, देवेंद्र पुरोहित, राजा चौधरी, रणजीत कुशवाह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'वसीम अकरम से सामने सुपर ओवर में नहीं टिक पाएंगे विराट कोहली'

- 279 इंटरनेशनल विकेट लेने वाले बॉलर ने किया दावा

नई दिल्ली। विराट कोहली इस युग के बेस्ट क्रिकेटर हैं और ऐसा कई दिग्गज मान चुके हैं। विराट कोहली ने क्रिकेट के हर प्रारूप में खुद को साबित किया और वो आज उस स्थान पर खड़े हैं जहां पहुंचना हर क्रिकेटर के बस की बात नहीं होती है। कोहली से पहले भी कई दिग्गज क्रिकेटर हुए जिन्होंने अपना लोहा मनवाया और किसी दो क्रिकेटर की तुलना करना बेतुका लगता है। आधुनिक पीढ़ी के दिग्गज क्रिकेटर और भारत के अब तक के महानतम क्रिकेटरों में से एक विराट कोहली के बारे में इयान बिशप ने बात की और जब उनसे विराट कोहली और पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम में से किसी एक को विजेता चुनने को कहा गया तब इयान ने वसीम अकरम को कोहली से ऊपर रखा।

अकरम बनाम विराट में किसकी होगी जीत- ईएसपीएन क्रिकइंफो पर एक शो के दौरान वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप (इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्होंने 279 विकेट लिए थे) से पूछा गया कि अगर विराट कोहली और वसीम अकरम एक-दूसरे के खिलाफ सुपर ओवर में आमने-सामने हों तो कौन जीतेगा। इसका जवाब देते हुए इयान ने वसीम अकरम को चुना। हालांकि उन्होंने अपने इस चुनाव के पीछे की वजह साफ तौर पर नहीं बताई, लेकिन ऐसा लगा कि गेंदबाजी में अकरम की जिस तरह की महारत थी उसकी वजह से उन्होंने अकरम का चयन किया।

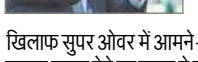

चहल के वायरल वीडियो से इंटरनेट पर हंगामा

- क्या सच में वेपिंग कर रहे थे या फैंस से किया प्रैंक?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स का हिस्सा युजवेंद्र चहल से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है। इस वीडियो में ऐसा लग रहा था कि वह पंजाब किंग्स की टीम के साथ हैदराबाद जाते समय फ्लाइट में वेपिंग (ई-सिगरेट पीते) का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह वीडियो तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के यूट्यूब ट्रैवल व्लॉग का हिस्सा था। वायरल क्लिप में युजवेंद्र चहल खिड़की वाली सीट पर अपने साथी खिलाड़ी शशांक सिंह के साथ बैठे दिखाई देते हैं। वीडियो में ऐसा लगता है कि वह हाथ में कोई चीज छिपाते हैं, फिर वेपिंग के इस्तेमाल करने जैसा इशारा करते हैं और हल्का सा धुआं भी दिखाई देता है। इसके बाद वह खांसते नजर आते हैं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर लोग नाराज हो गए और हाल ही में हुए रियान पराग के वेपिंग विवाद से इसकी तुलना करने लगे।

हालांकि, बाद में कई यूजर्स ने ध्यान दिलाया कि युजवेंद्र चहल के हाथ में शायद वेप नहीं बल्कि कोई स्प्रे या मिस्ट डिवाइस थी। कुछ यूजर्स का मानना है कि वह सिर्फ मजाक कर रहे थे। दिलचस्प बात यह भी है कि बताया जा रहा है कि व्लॉग के शुरुआती अपलोड में पूरा सीन मौजूद था, लेकिन अब अर्शदीप सिंह के यूट्यूब चैनल पर वह हिस्सा हटा दिया गया है। हालांकि, उस क्लिप की रिकॉर्डिंग वायरल है। इस घटना के बाद इंटरनेट पर बहस छिड़ गई है। कुछ लोग मान रहे हैं कि युजवेंद्र चहल सच में वेपिंग कर रहे थे, जबकि कुछ का कहना है कि वह मौजूदा वेपिंग विवादों पर मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दे रहे थे।

वैभव को खेलता देख आई सचिन तेंदुलकर की याद

...लेकिन माईकल क्लार्क ने कहा- टेस्ट के लिए जल्दबाजी न करने की चेतावनी भी दी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की है। माइकल क्लार्क ने कहा है कि उन्होंने इतनी कम उम्र में किसी खिलाड़ी को इस तरह खेलते पहले नहीं देखा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन ने हर किसी को हैरान कर दिया है।

बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने वैभव सूर्यवंशी के आसपास बन रहे माहौल की तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के शुरुआती दिनों से की। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इतनी जल्दी वैभव सूर्यवंशी से टेस्ट क्रिकेट में बड़े चमत्कार की उम्मीद करना सही नहीं होगा।

माइकल क्लार्क ने कहा, ''खैर, मैंने पहले ऐसा कभी नहीं देखा। मैंने किसी 15 साल के बच्चे को ऐसा करते हुए नहीं देखा।'' माइकल क्लार्क ने हालांकि, वैभव के मामले में जल्दबाजी नहीं दिखाने की चेतावनी देते हुए कहा, ''आप जानते हैं दोनों बहुत अलग खिलाड़ी हैं और हां आप तुलना नहीं कर सकते। जब मैं पीछे मुड़कर सोचता हूं तो मुझे याद आता है कि जब सचिन तेंदुलकर ऑस्ट्रेलिया आए थे और उनके बारे में जो चर्चा थी, उस समय सच में वैसी चर्चा थी। मुझे लगता है कि वह 16 साल के थे। हां, 16 के ही थे। और वह चर्चा उन्होंने अपनी काबिलियत से हासिल की थी। उनकी वह विरासत आज भी सबके सामने है।'' वैभव सूर्यवंशी ढक्कन सीजन के सबसे ज्यादा चर्चा वाले खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं। उनकी निडर बल्लेबाजी और शांत स्वभाव ने भारत के बाहर भी लोगों का ध्यान खींचा है। वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 10 मैचों में 237.64 के स्ट्राइक रेट से 404 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक और एक शतक शामिल है। इस युवा खिलाड़ी की तेजी से हुई तरक्की ने इस बात को लेकर उत्सुकता जगा दी है कि वह वह भविष्य में क्या बन सकते हैं, लेकिन माइकल क्लार्क ने जोर देकर कहा कि इस चर्चा को वर्तमान पर ही केंद्रित रखना चाहिए।

माइकल क्लार्क ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि कोई यह कह रहा होगा कि वह सीधे टेस्ट क्रिकेट में जाकर तुरंत ही महान खिलाड़ियों में से एक बन जाएगा। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह खेलते हैं, अभी मैं जो देख रहा हूं, वह इस फ़ॉर्मेट के लिए बहुत ज़्यादा उपयुक्त है।''

इसके साथ माइकल क्लार्क ने यह भी साफ किया कि इतनी कम उम्र में इस तरह का प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से उन्हें क्रिकेट की दुनिया में और भी ऊंचे मुकाम हासिल करने की राह पर आगे बढ़ाता है।

कंगना रनौत फिर दिखाएंगी अपना जलवा, 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर देश के नायकों की कहानी लेकर आ रही हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का ऐलान बुधवार को हो गया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'साधारण लोगों की एक असाधारण कहानी। उस रात की कहानी, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बन गई। जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता हमारा फर्ज बन गई और हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनसुनी कहानी। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' यह फिल्म उन नायकों की कहानी को सामने लाती है, जिनका जिक्र इतिहास के पन्नों में कहीं दबकर रह गया। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म हथियारों और हिंसा के बजाय मानवीय इरादों और नैतिक साहस पर रोशनी डालती है।

फिल्म की कहानी मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों के गलियारों और वार्डों के इर्द-गिर्द घूमती है। 26 नवंबर 2008 की रात जब मुंबई आतंक की आग में जल रही थी, तब कामा अस्पताल के भीतर एक अलग ही जंग लड़ी जा रही थी। बाहर आतंकी गोलियां बरसा रहे थे, लेकिन अस्पताल के अंदर निहत्थे स्टाफ ने अपनी जान जोखिम में डालकर लगभग 400 मरीजों और उनके परिजनों की जान बचाई थी। यह फिल्म अस्पताल के हर उस कर्मचारी को सम्मान देती है, जिसमें नर्सें, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल थे। उस रात उनके पास वहां से भाग जाने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने रुककर अपना फर्ज निभाना चुना।

फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत नर्स की भूमिका में नजर आएंगी। अपने किरदार और फिल्म के विषय पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'अक्सर हम बहादुरी के केवल उन कामों का जश्न मनाते हैं, जो बहुत नाटकीय होते हैं, लेकिन असली हिम्मत अक्सर शांत होती है। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' उन आम लोगों की कहानी है, जो आतंक और जिंदगी के बीच ढाल बनकर खड़े रहे। यह देशभक्ति का सबसे सच्चा रूप है, जहां फर्ज कर्म में बदल जाता है। मुझे इस कहानी का हिस्सा होने पर गर्व है, जो उन लोगों को श्रद्धांजलि देती है, जिन्होंने शहर को उसके सबसे मुश्किल पलों में एकजुट रखा। मैं 12 जून को दर्शकों के साथ इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हूं।' पेन स्टूडियोज के प्रमुख और फिल्म के निर्माता जयंतीलाल गडा ने फिल्म के महत्व पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हमें मनोज तापड़िया के विजन और कंगना के अभिनय पर पूरा भरोसा है। यह फिल्म देश की उस अटूट भावना को दर्शाती है, जो उसके आम लोगों में बसती है।' वहीं, फिल्म के लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने इसे एक भावनात्मक और रोमांचक थ्रिलर बताया। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म डर पर हिम्मत की और अफरा-तफरी पर करुणा की जीत है। 12 जून को दर्शक देखेंगे कि कैसे महिलाओं और आम कर्मचारियों ने मौत के सामने खड़े होकर असाधारण फैसले लिए। यह फिल्म हमें याद दिलाती है कि सच्ची बहादुरी अक्सर सबसे साधारण जगहों से निकलकर आती है।

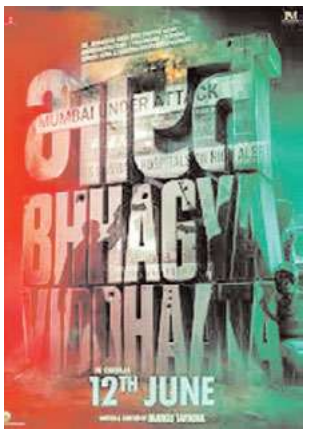

'लव एंड वॉर' के बाद 'महावतार' को 18 महीने देंगे विक्की कौशल

विक्की कौशल अभी संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके तुरंत बाद, वह अपने करियर के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक की तैयारी में जुट जाएंगे। एक्टर अमर कौशिक की पौराणिक फिल्म 'महावतार' की तैयारी कर रहे हैं। खबर है कि 'लव एंड वॉर' की शूटिंग पूरी करने के तुरंत बाद, जून 2026 से विक्की कौशल इस फिल्म पर काम शुरू कर देंगे।

विक्की ने कथित तौर पर इस प्रोजेक्ट के लिए कुल 18 महीने का समय अलग रखा है। विक्की ने छह महीने के एक सख्त ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए हामी भरी है। इसमें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और खास तौर पर इस फिल्म के लिए डिजाइन की गई एक्टिंग वर्कशॉप शामिल हैं।

कब से कब तक चलेगी शूटिंग?

बताया जाता है कि तैयारी में किरदार के मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक पहलुओं को समझना भी शामिल है। फिल्म की शूटिंग जनवरी 2027 में शुरू होने वाली है। यह पूरे एक साल तक चलेगी और दिसंबर 2027 में पूरी होगी। इस दौरान विक्की ने फैसला किया है कि वह अपना पूरा ध्यान सिर्फ 'महावतार' पर देंगे और किरदार में एकरूपता बनाए रखने के लिए कोई दूसरा प्रोफेशनल काम नहीं करेंगे।

शुभेंदु होंगे बंगाल के नए 'अधिकारी'

कोलकाता (एजेंसी)। बीजेपी नेता शुभेन्दु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे। शुक्रवार को कोलकाता में बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओडिशा के सीएम मोहन माझी को मौजूदगी में उनके नाम का ऐलान किया है। शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर से जीते हैं। उन्होंने भवानीपुर में ममता बनर्जी को हराया है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शुभेन्दु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसे विधायकों ने आम सहमति से मुहर लगाई।

● चुने गए बीजेपी विधायक दल के नेता

आज लेंगे बंगाल के सीएम पद की शपथ

कांग्रेस से की थी राजनीति की शुरुआत

शुभेन्दु अधिकारी ने राजनीतिक की शुरुआत की थी। वह 1995 में कांग्रेस से कंटई नगर पालिका के पार्षद चुने गए थे। ऐसे में उन्होंने 1995 से 2026 तक करीब तीन दशक बाद मुख्यमंत्री का पद हासिल किया है। शुभेन्दु अधिकारी के परिवार में दो भाई हैं। दिब्येंदु अधिकारी तामलुक से सांसद और विधायक रह चुके हैं। दूसरे भाई सौमेंद्र अधिकारी कांथी नगर पालिका के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह वर्तमान में कांथी से सासंद हैं। शुभेन्दु अधिकारी अविवाहित हैं। हैं। शुभेन्दु अधिकारी की मां का नाम गायत्री अधिकारी है। उन्होंने अपना जीवन सामाजिक और राजनीतिक कार्यों के लिए समर्पित कर रखा है। शुभेन्दु अधिकारी शनिवार को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे।

तीन दशक बाद संभालेंगे सीएम का पद

शुभेन्दु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर, 1970 को हुआ था। शुभेन्द अधिकारी के पिता शिशिर अधिकारी पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। शुभेन्दु अधिकारी को राजनीति विरासत में मिली है। उन्होंने पंचयत से लेकर पार्लियामेंट तक सफर तय किया। वह 2005 में पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद 2009 और फिर 2014 में तामलुक से लोकसभा के सदस्य चुने गए। नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में उनकी भूमिका ने उन्हें मेदिनीपुर का बादशाह बना दिया।

सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडर होंगे सम्मानित

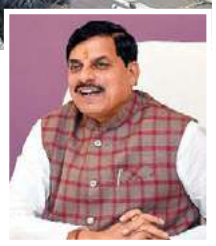

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। सरकार पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का कार्य प्रतिबद्धतापूर्वक कर रही है। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम अमनबीर सिंह बैंस ने बताया है कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडरों को सम्मानित किया जाएगा। एमडी श्री बैंस ने कहा कि जो वेंडर अपना कार्य ठीक प्रकार से नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। एमडी श्री बैंस ने विगत दिनों भोपाल मुख्यालय में प्रगति की समीक्षा कर सभी वेंडर्स कार्य में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली।

रेडक्रॉस के उद्देश्य और सेवा कार्यों से जन-जन को करें प्रेरित

● राज्यपाल ने विश्व रेडक्रॉस दिवस पर प्रदान किए 'सेवा सम्मान'

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा, ईश्वर की सेवा का सशक्त माध्यम है। मानवता की सेवा ही प्रभु की सेवा है। अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार गरीब, वंचित और जरूरतमंदों की हमेशा मदद करते रहे।

उन्होंने कहा कि सेवा का दायरा बहुत विस्तृत है। रेडक्रॉस सदस्य दूरस्थ, ग्रामीण इलाकों जाकर जरूरतमंदों से मिले, उनकी समस्याओं को करीब से देखें, समझे और यथा संभव समाधान के आत्मीय प्रयास करें। हर सदस्य कम से कम 5 व्यक्तियों को रेडक्रॉस से जोड़े। राज्यपाल श्री पटेल ने रेडक्रॉस के सिद्धांतों, उद्देश्यों और कार्यों से जन-जन को प्रेरित करने का आह्वान किया। पीड़ित मानवता के प्रति रेडक्रॉस के संवेदनशील समर्पण से प्रेरणा लेने, वंचितों के उत्थान में सहभागी बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की युवाओं से अपील की।

राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित सेवा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यू-नॉट के जन्म दिवस पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। समर्पित कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और समाज सेवी संस्थाओं को सम्मानित किया। मानवता की सेवा कार्यों और प्रयासों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभी सम्मानित जनों को सम्पूर्ण समाज के सच्चे नायक और प्रेरणा स्रोत बताया। मध्यप्रदेश राज्य रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (मेपकास्ट) परिसर में किया गया।

रेडक्रॉस की सीख कर्मों में भी झलकनी चाहिए

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस, मात्र एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि मानवता, सेवा, करुणा और समर्पण की निरंतर प्रवाहित धारा का स्मरण है। युद्ध के मैदान में पीड़ा देख कर लिया गया संकल्प, आज पीड़ित मानवता की सेवा का वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो हमें बताता है कि सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के 7 मूल सिद्धांत- मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सर्व व्यापकता, जीवन जीने के सच्चे मार्गदर्शक हैं। इनका मन, वचन और कर्म से 365 दिन पालन ही, समावेशी समाज निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने का प्रभावी तरीका है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि रेडक्रॉस की सीख, शब्दों तक सीमित नहीं हो, यह हमारे कर्मों में भी झलकनी चाहिए। इसके लिए समाज को और अधिक संवेदनशील बनाना होगा। सम्मानित लोग, रेडक्रॉस के कार्यों में अपनी निष्ठा, समर्पण, सेवा-भाव के संस्कारों से भावी पीढ़ी को नेतृत्व प्रदान कर प्रोत्साहित करें। मानवता की सेवा के संकल्प के साथ पीड़ितों और वंचितों का दिल खोलकर सहयोग करें।

जन औषधि योजना हर वर्ग के लिए वरदान

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जन-औषधि योजना, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अत्यंत संवेदनशील पहल है। यह योजना हर वर्ग के लिए वरदान है। उन्होंने इस अभूतपूर्व योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति आभार जताया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों में अधिक से अधिक जन-औषधि केन्द्र खोलने के प्रयास करें। इस पहल से स्थानीय युवाओं को जोड़े। उन्हें जन-औषधि केन्द्र में उपलब्ध दवाओं, गुणवत्ता और कीमतों की जानकारी दें। राज्यपाल श्री पटेल का समारोह में मध्यप्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन डॉ. श्याम सिंह कुमरे और वाइस चेयरमैन मनीष रावल ने शॉल एवं श्रीफल से अभिनंदन किया। चेयरमैन डॉ. कुमरे ने स्वागत उद्बोधन दिया। मध्यप्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म दिखाई गई। आभार जनरल सेक्रेटरी रामेन्द्र सिंह ने माना। कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर श्रीमती संस्कृति जैन, मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अमित कोठारी, डॉ. ब्रिजेश श्रीवास्तव, और जिला इकाई के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कौन बनेगा केरल का नया मुख्यमंत्री? सामने आया बड़ा नाम

केरल विधानसभा चुनावों में जीत के बाद अब सबकी नजरें राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा इस पर टिकी हुई है। कांग्रेस के भीतर मचे सियासी घमासान के बीच के.सी. वेणुगोपाल का नाम सबसे आगे निकलकर सामने आया है। हाल ही में एआईसीसी (AICC) विधायकों की 'वन-टू-वन' बैठक में वेणुगोपाल ने भारी बढ़त हासिल की है। इस बीच मुकुल वासनिक के हाथ से विधायकों के समर्थन वाली चिट्ठी की फोटो भी वायरल हुई जिससे चर्चा और तेज हो गई।

किसके पक्ष में कितने?

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के 63 नवनिर्वाचित विधायकों में से 47 ने वेणुगोपाल के नाम पर अपनी मुहर लगाई है।

वेणुगोपाल के समर्थक में केपीसीसी (KPCC) अध्यक्ष सन्नी जोसेफ समेत संदीप जी. वारियर, सजीव जोसेफ, टी.ओ. मोहन और उषा विजयन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। वहीं, पूर्व नेता प्रतिपक्ष Ramesh Chennithala को केवल 8 विधायकों का समर्थन मिला। उनके करीबी माने जाने वाले आई.सी. बालकृष्णन ने भी वेणुगोपाल और चेन्नितला दोनों का नाम लेकर सबको चौंका दिया। मौजूदा नेता प्रतिपक्ष सतीशन, जिन्हें जनता के बीच काफी लोकप्रिय माना जा रहा था, उन्हें केवल 6 विधायकों का साथ मिला। हालांकि, तीन पूर्व केपीसीसी अध्यक्षों ने सतीशन का पक्ष लिया है। हालांकि कांग्रेस विधायक दल (CLP) की बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री चुनने का पूरा अधिकार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दिया गया है। अजय माकन और मुकुल वासनिक अपनी रिपोर्ट लेकर दिल्ली लौट चुके हैं।

कब होगा शपथ ग्रहण?

संभावना जताई जा रही है कि कांग्रेस आलाकमान शनिवार या रविवार तक मुख्यमंत्री के नाम का आधिकारिक ऐलान कर देगा। घोषणा के दो दिनों के भीतर नया मुख्यमंत्री और कैबिनेट के अन्य सदस्य (UDF सहयोगियों सहित) पद की शपथ लेंगे।